

प्रेषक,

सौरभ जैन,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
शहरी विकास निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक-2। अप्रैल, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2004-05 में नगरीय ठोस अपशिष्ट हेतु धनराशि के समर्पण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश सं0-999/V/श0वि0/आ0-04-248(सा0)/2003, दिनांक 23 मार्च, 2005 तथा शासनादेश सं0-40/V/श0वि0/आ0-06-248(सा0)/03-टी.सी., दिनांक 29 मार्च, 2006 तथा शासनादेश सं0-2397/V/श0वि0-05-248(सा0)/03-टी0सी0, दिनांक 04 अक्टूबर, 2005 का संदर्भ ग्रहण का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिनके माध्यम से ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन योजनान्तर्गत नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन के क्रियान्वयन हेतु क्रमशः रू0 1,82,87,754/-, रू0 7,50,00,000/- तथा रू0 1,00,00,000/-, इस प्रकार कुल रू0 10,32,87,754/- (रुपये दस करोड़ बत्तीस लाख सत्तासी हजार सात सौ चौवन मात्र) आपके निर्वर्तन पर रखे जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी थी तथा आपके माध्यम से योजनान्तर्गत प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराये जाने हेतु भी निर्देशित किया गया था। परन्तु योजनान्तर्गत अभी तक कोई ठोस प्रस्ताव शासन को उपलब्ध नहीं कराया गया।

अतः उक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आपके निर्वर्तन में रखी हुई उक्त धनराशि की मय व्यय विवरण की सूचना शासन को उपलब्ध कराते हुए अवशेष धनराशि को प्राप्त ब्याज का समस्त विवरण शासन में उपलब्ध कराते हुए दिनांक 30-04-08 तक राजकोष में जमा कराकर ट्रेजरी चालान की फोटोप्रति सहित कृत कार्यवाही की सूचना से तत्काल शासन को अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

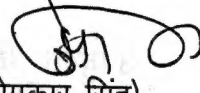
(सौरभ जैन)
अपर सचिव।

सं०- ५५५ (1)/IV(2)-श०वि०-०८, तददिनांक।

प्रतिलिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी/शहरी विकास मंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन।
4. निदेशक, राज्य नगरीय विकास अभिकरण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त व्यय नियंत्रण, अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
7. ✓ निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि शहरी विकास के जी०ओ० में इसे शामिल करें।
8. गार्ड बुक।

आज्ञा से,


(ओमकार सिंह)
अनु सचिव।